'राजस्थान की गहलोत सरकार तो विश्वास करने लायक भी नहीं है'

लोकसभा में गुरुवार को अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राजस्थान की गहलोत सरकार पर जमकर बरसे

नई दिल्ली, 10 अगस्त। लोकसभा में गुरुवार को अविश्वास प्रस्ताव पर बोलते हुए जयपुर ग्रामीण के सांसद राज्यवर्धन सिंह राजस्थान की गहलोत सरकार पर जमकर बरसे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के अविश्वास प्रस्ताव को मूर्खता भरा हुआ प्रस्ताव करार दिया।

- राज्यवर्धन ने गहलोत सरकार को घेरते हुए कहा, शर्म करो कांग्रेस! बहन-बेटियों से माफी मांगो। एक पिता का दर्द महसूस करो, जिसकी बेटी के साथ दुष्कर्म किया गया, गोली मार दी, एसिड डाल कुएं में फेंक दिया। गहलोत कुशासन ने राजस्थान को मर्दों का नहीं, मुर्दों का प्रदेश बना दिया है।

उन्होंने कहा कि, कांग्रेस ने बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा है। लेकिन राजस्थान की गहलोत सरकार तो, विश्वास करने के लायक भी नहीं है। उन्होंने राजस्थान में बिगड़ी कानून व्यवस्था और अपराध को लेकर जमकर हमले बोले। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस कहती है कि भारत पहली बार असुरक्षित है। लेकिन हम कहते हैं कि राजस्थान अब तक अपने को सबसे असुरक्षित महसूस कर रहा है। जहां राजस्थान भ्रष्टाचार में नंबर वन है। वहीं तुष्टिकरण की नीति में भी नंबर वन है। इस दौरान राज्यवर्धन सिंह ने गहलोत सरकार के विधायकों, कानून व्यवस्था, अपराध, तुष्टिकरण की नीति और कांग्रेस के घोषणा पत्र समेत कई मुद्दों को लेकर जमकर घेरा।

भाजपा सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि, जब वह अन्य खिलाड़ियों के साथ बीजिंग ओलंपिक में भाग ले रहे थे तो कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं के साथ बैठक में व्यस्त थे। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की ।

संसद के चल रहे मानसून सत्र के दौरान भाजपा सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर जुबानी हमला किया। यही नहीं राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने तक की मांग कर डाली। राज्यवर्धन ने आगे कांग्रेस गहलोत सरकार को घेरते हुए कहा, शर्म करो कांग्रेस! बहन-बेटियों से माफी मांगों। एक पिता का दर्द महसूस करो, जिसकी बेटी का दुष्कर्म किया गया, गोली मार दी, एसिड डाल कुएं में फेंक दिया। गहलोत कुशासन ने राजस्थान को मर्दों का नहीं, मुर्दों का प्रदेश बना दिया है।

ई-पास से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक वैब बेस्ड एवं मोबाइल फ्रैण्डली एप्लीकेशन है जो यूज़र्स को विभिन्न उद्देश्यों जैसे कि केस की सुनवाइयां व एडवोकेट्स मीटिंग्स आदि में भाग लेने के लिए ऑनलाइन ई-पास रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रदान करती है।

सी.जे.आई. ने कहा कि इस पोर्टल का 25 जुलाई 2023 से एक पायलट प्रोजैक्ट के रूप में परीक्षण किया गया है, जिसमें यूज़र्स से सकारात्मक फीडबैक मिला है। उन्होंने आगे कहा कि 9 अगस्त को पोर्टल के जरिए 10 हजार से अधिक ई-पास पोर्टल के जरिए जारी किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि "आप को सुबह लाइन में लगकर प्रतीक्षा नहीं करनी पड़गी। सभी पास ऑनलाइन जनरेट किए गए हैं। यह सुविधा गुरूवार सुबह से उपलब्ध करवा दी गई। सी.जे.आई. ने आग कहा कि कोर्ट की वैबसाइट पर एक वीडियो ट्यूटोरियल उपलब्ध है जिसमें इस एप्लीकेशन का प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी गई है।

हिमाचल में बादल फटा, पांच जनों की मौत

शिमला, 10 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिला के पांवटा साहिब उपमण्डल की ग्राम पंचायत मुगलावाला के सिरमौरी ताल में बुधवार की रात बादल फटने से भारी तबाही मच गई। बादल फटने से गांव में आई भयंकर बाढ़ के कारण एक मकान पूरी तरह जमींदोज हो गया और इसमें एक ही परिवार के पांच लोग दब गए। यह जानकारी उपायुक्त सुमित खिमटा ने ने दी। खिमटा ने बताया कि, बाढ़ में कुलदीप सिंह (63), उनकी पत्नी जीतो देवी (57), विनोद कुमार की पत्नी रजनी (31), पुत्र नितेश (10) तथा आठ वर्षीय पुत्री दीपिका लापता हो गए। इनमें से कुलदीप सिंह तथा उनकी पोती दीपिका के शवों को राहत एवं बचाव दल ने निकाल लिया। खबर लिखने तक शेष लापता व्यक्तियों की तलाश का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि, आज दिनभर बारिश के बीच लापता लोगों तलाश के अभियान में किसी प्रकार की कमी नहीं रही। कल प्रात: पुन: लापता लोगों को खोजने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

- हिमाचल प्रदेश में सिरमौर जिले के पांवटा साहिब उपमण्डल की ग्राम पंचायत मुगलावाला के सिरमौरी ताल में बुधवार की रात बादल फटने से भारी तबाही मची।

अधीर रंजन की मोदी विरोधी टिप्पणी के बाद लोकसभा में हाथापाई की नौबत आई

- चौधरी ने कहा, हम समझ रहे थे कि, नीरव मोदी देश से भाग गया और कैरीबियाई देशों में मजे कर रहा है। लेकिन अब समझ में आया है कि, नीरव मोदी कहीं नहीं गया। वह देश में ही है और नरेन्द्र मोदी बनकर बैठा हुआ है।
- केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुटकी लेते हुए कहा कि, देश की जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है और सदन से बाहर ये खुद ही जा रहे हैं। इन्हें अपने अविश्वास प्रस्ताव पर खुद ही विश्वास नहीं है। देश की जनता ने जो परिणाम दिया है, उसे स्वीकार करना चाहिए।

नयी दिल्ली, 10 अगस्त। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी की आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद सदन में सत्तापक्ष ने जोरदार हंगामा किया और हाथापाई की नौबत आ गयी।

सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भाषण दे रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, रेल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव आदि सभी सदन में मौजूद थे।

विपक्षी बेंच पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला की उपस्थिति में चर्चा के बीच चौधरी ने कहा, हम समझ रहे थे कि नीरव मोदी देश से भाग गया और कैरेबियाई देशों में मजे कर रहा है। लेकिन अब समझ में आया है कि नीरव मोदी कहीं नहीं गया। वह देश में ही है और नरेन्द्र मोदी बनकर बैठा हुआ है।

इतना कहना था कि, सत्तापक्ष में तेज शोर उठा और प्रधानमंत्री को छोड़ कर सभी मंत्री एवं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी सांसद अपने स्थान से उठकर कांग्रेस नेता को ललकारने लगे। इसी बीच भाजपा के सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त अपने स्थान से उठ कर तेजी से अधीर रंजन चौधरी की ओर लपके और चुनौती देने लगे। इस पर विपक्ष के कई सांसद भी आगे बढ़े। उधर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने वीरेन्द्र सिंह मस्त को पकड़ा और उन्हें वापस ले आये। अधीर रंजन चौधरी भी एक बारगी सहम गये थे।

प्रधानमंत्री मोदी अपने स्थान पर बैठे हुए सब देखते रहे और उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे पहले भी चौधरी ने मणिपुर के हालात पर गृह मंत्री शाह के कल के भाषण पर नुक्ताचीनी करते हुए कहा कि, गृह मंत्री को बफर ज़ोन में सुरक्षा बलों की तैनाती की बात नहीं कहनी चाहिए थी।

इसके बाद अध्यक्ष ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम पुकारा और सिंधिया ने उठकर अपनी बात शुरू की। इसके चंद मिनट बाद प्रधानमंत्री उठकर सदन से चले गये।

उनके पीछे संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी, गृह मंत्री शाह भी चले गये। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुटकी लेते हुए कहा कि, देश की जनता ने बाहर का रास्ता दिखा दिया है और सदन से बाहर ये खुद ही जा रहे हैं। इन्हें अपने अविश्वास प्रस्ताव पर खुद ही विश्वास नहीं है।

सुक्खू के हैलीकॉप्टर की खेत में लैंडिंग

शिमला, 10 अगस्त। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में रामपुर के बिथल में मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के हेलीकॉप्टर की गुरुवार को आपातकालीन लैंडिंग करवानी पड़ी।

हैलीकॉप्टर चिन्हित स्थान पर नहीं उतर पाया। पांच सौ मीटर दूरी पर खेत में हैलीकॉप्टर लैंड करवाया गया।

- पायलटों की मुस्तैदी से हेलिकॉप्टर में सवार मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित।

पायलटों की मुस्तैदी से हेलिकॉप्टर में सवार मुख्यमंत्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। जेएसडब्ल्यू कंपनी के प्रोजेक्ट के परिसर में हेलीपैड बनाया गया था।

हैलीकॉप्टर में लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, ठियोग के विधायक कुलदीप राठौर व मुख्यमंत्री के पीएसओ भी सवार थे।

वरिष्ठ आदिवासी नेता नेताम ने कांग्रेस छोड़ी

- नेताम सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक हैं, वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पी. वी. नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रह चुके हैं।
- वर्ष 2018 में नेताम ने दोबारा कांग्रेस प्रवेश किया था। नेताम बसपा, भाजपा और राकांपा के साथ अपनी राजनीतिक पारियां खेल चुके हैं।

जगदलपुर, 10 अगस्त। कांग्रेस के वरिष्ठ आदिवासी नेता अरविंद नेताम ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेज दिया है। नेताम सर्व आदिवासी समाज के संरक्षक हैं, वे पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और पी. वी. नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रह चुके हैं। नेताम ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को लिखे अपने पत्र में कहा कि, वे कांग्रेस पार्टी के क्रियाशील सदस्य रहे। पांच वर्ष पूर्व तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के आ ान पर कांग्रेस में वापस आकर अपने अनुभव से पार्टी को मजबूती प्रदान करने का हमेशा प्रयास किया, लेकिन प्रदेश नेतृत्व के असहयोग रवैये के कारण उन्हें निराशा हुयी है।

प्रदेश नेतृत्व राज्य में आदिवासी समाज के लिए बाबा साहेब डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के द्वारा प्रदान संवैधानिक अधिकारों के विपरीत काम करने तथा पेसा कानून 1996 में आदिवासी समाज को जल, जंगल, जमीन में ग्रामसभा के अधिकारों को समाप्त कर दिया गया है। इस प्रकार से आदिवासी विरोधी सरकार है। अत: वे विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे रहे हैं। पत्र में उन्होंने कहा कि, केन्द्रीय नेतृत्व से उन्हें हमेशा मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद मिलता रहा है, उसके लिए पार्टी का आभार व्यक्त करते हैं।

चार बार के सांसद नेताम इंदिरा गांधी और नरसिम्हा राव सरकार में मंत्री रहे हैं। वर्ष 1996 में उन्होंने कांग्रेस छोड़ी थी और फिर 1998 में कांग्रेस में लौट आए थे। वर्ष 2012 में उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के दौरान आदिवासी नेता पीएम संगमा का समर्थन किया, तो उन्हें फिर से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। वर्ष 2018 में नेताम ने दोबारा कांग्रेस प्रवेश किया था। नेताम बसपा, भाजपा और राकांपा के साथ अपनी राजनीतिक पारियां खेल चुके हैं।

'2014 से पहले पूर्वोत्तर के लोगों का दिल्ली व बड़े शहरों में उत्पीड़न होता था'

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कहा कि, 2014 के बाद स्थिति बदली और आज़ादी के बाद पहली बार गुवाहाटी में डीजीपी कॉन्फ्रेंस हुई

नई दिल्ली, 10 अगस्त। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के दौरान कहा कि, 2014 से पहले पूर्वोत्तर के लोगों के साथ दिल्ली और बड़े शहरों में उत्पीड़न होता था लेकिन इसके बाद स्थिति बदली है।

रिजिजू ने कहा, कोविड के समय जब लगभग पूरी दुनिया फेल हो चुकी थी। भारत ने दिखा दिया कि महामारी कोविड से भी हम निपट सकते हैं। पूरे देश में मुफ़्त में टीका लगा।

उन्होंने कहा, 2014 से पहले पूर्वोत्तर के कई लोगों को दिल्ली और देश के अन्य बड़े शहरों में नस्लीय उत्पीड़न का सामना करना पड़ता था। 2014 के बाद स्थिति बदली और आज़ादी के बाद पहली बार गुवाहाटी में डीजीपी कॉन्फ्रेंस हुआ। इस बैठक के दौरान पीएम ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

- रिजिजू ने कहा, गठबंधन को इंडिया नाम देने से कुछ नहीं होगा, जबकि, आप स्वयं वास्तव में भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं।

अविश्वास प्रस्ताव पर रिजिजू ने कहा, वो समय चला गया जब विदेशी ताकतें भारत को बताती थीं कि क्या करना चाहिए और क्या नहीं। आज कोई भी विदेश ताकत हमारे आंतरिक मामलों में दखल नहीं दे सकती।

उन्होंने विपक्ष से कहा, आज जब आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं तो उसमें भी आप साथ आइए, इसको मिलकर सेलीब्रेट करते हैं। ये कोई बीजेपी का कार्यक्रम नहीं है देश का कार्यक्रम है। मैं इस सदन में अपनी पार्टी और सरकार की तरफ से आपसे अपील करना चाहता हूं कि, आप भी इसमें आइए। 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित बनाने के लिए हमें साथ काम करना चाहिए। मोदी जी के नेतृत्व का भी आप समर्थन करें तभी हम मानेंगे कि आप देश के लिए सोचते हैं।

लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता किरण रिजिजू ने कहा, गठबंधन को इंडिया नाम देने से कुछ नहीं होगा जबकि आप वास्तव में भारत के खिलाफ काम कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश वि.सभा चुनाव के लिए बसपा की पहली सूची जारी

भोपाल, 10 अगस्त। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आज यहां प्रत्याशियों के नामों की पहली सूची जारी की। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पिप्पल ने प्रत्याशियों के नामों की पहली सूची जारी की, जिसमें मुरैना जिले के दिमनी विधानसभा क्षेत्र से बलबीर सिंह डंडोतिया को प्रत्याशी बनाया है। इसी तरह निवाड़ी से अवधेश प्रताप सिंह राठौर को प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, छतरपुर जिले के राजनगर से रामराजा पाठक बसपा के प्रत्याशी होंगे। इसके अलावा सतना जिले की रैगांव विधानसभा से देवराज अहिरवार को प्रत्याशी बनाया गया है। सतना की रामपुर बाघेलान विधानसभा से मणिराज सिंह पटेल को उम्मीदवार बनाया गया है। रीवा जिले के सिरमौर से विष्णु देव पांडे बसपा के उम्मीदवार बनाए गए हैं।

"आप" के कई पूर्व पदाधिकारी शिंदे की शिवसेना में शामिल

आम आदमी पार्टी के कुछ संस्थापक सदस्य और पूर्व पदाधिकारी भी मुख्यमंत्री एक नाथ शिंदे के पाले में आए

नयी दिल्ली, 10 अगस्त। राजधानी दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के कई संस्थापक सदस्य और पूर्व पदाधिकारी आज यहां महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए।

शिवसेना में शामिल होने वालों में बवाना से पूर्व विधायक उम्मीदवार 'आप' के संस्थापक सदस्य एडवोकेट मनोज धिरयान, संस्थापक सदस्य और सार्वजनिक शिकायत निगरानी प्रणाली (पीजीएमएस सेल) के संयोजक और सलाहकार उधम सिंह और आप के पूर्व जिला सचिव एवं पीजीएमएस सेल के पूर्व सदस्य यशपाल शर्मा शामिल हैं।

- शिवसेना में शामिल होने वालों में बवाना से पूर्व विधायक उम्मीदवार "आप" के संस्थापक सदस्य एडवोकेट मनोज धिरयान, संस्थापक सदस्य और सार्वजनिक शिकायत निगरानी प्रणाली (पी.जी.एम.एस. सैल) के संयोजक और सलाहकार उधम सिंह और आप के पूर्व जिला सचिव एवं पी.जी.एम.एस. सैल के पूर्व सदस्य यशपाल शर्मा शामिल हैं।

शिवसेना के प्रमुख नेता आनंदराव अडसुल, दिल्ली और गोवा के लिए मुख्य समन्वयक अंशुमान जोशी और दिल्ली के प्रभारी कर्नल देविंदर सहरावत की मौजूदगी के इन सभी लोगों ने शिवसेना की सदस्यता ली।

दिल्ली के लोगों के कल्याण और समावेशी विकास को प्राथमिकता देने के लिए शिवसेना नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आप के पूर्व नेताओं ने सामूहिक रूप से सत्तारूढ़ दल द्वारा नियुक्तियों, दान और अन्य कथित अनियमितताओं के संबंध में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और गलत कामों को उजागर करने की बात कही।

इस मौके पर अडसुल ने कहा, दिल्ली के दिग्गज नेता अब हमारी पार्टी में शामिल हो रहे हैं और यह राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

जम्मू-कश्मीर में गुरूवार को ग्रेनेड हमला

श्रीनगर, 10 अगस्त। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में गुरुवार को हुए ग्रेनेड हमले में एक सैनिक और दो आम नागरिक घायल हुए।

अनतांग जिले के सूत्रों के हवाले से यह जानकारी मिली है। संयुक्त बल कोकरनाग इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी यह घटना हुयी। सूत्रों ने कहा, घेराबंदी और तलशी अभियान के दौरान एक ग्रेनेड फेंका गया जिसके परिणामस्वरूप एक सैनिक और दो स्थानीय नागरिक घायल हो गए।

घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनकी हालत स्थिर है। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक इलाके में तलाशी अभियान जारी था। इस घटना पर हालांकि पुलिस अधिकारी या सेना से कोई भी औपचारिक बयान नहीं दिया है।

मुठभेड़ में नूह हिंसा के दो आरोपी गिरफ्तार

नूंह, 10 अगस्त। हरियाणा के नूंह में 31 जुलाई को ब्रजमंडल शोभायात्रा के दौरान भड़की साम्प्रदायिक हिंसा के आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिये राज्य पुलिस ने बड़ा अभियान छेड़ रखा है और इसी कड़ी में उसने गुरुवार को एक मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हिंसा के बाद फरार हुये अथवा छिप गये ऐसे ही दो आरोपियों को पकड़ने के लिये निरीक्षक संदीप मोर के नेतृत्व में अपराध शाखा टीम ने सूचना मिलने पर तावडू के सिलको गांव की पहाड़ी के निकट धावा बोला। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में पुलिस दो आरोपियों गवारका निवासी मुनफेद और सैकुल को पकड़ लिया गया। फायरिंग के दौरान सैकुल के पैर में गोली लगी है तथा उसे नल्हड़ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपियों के कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा, एक मोटरसाइकिल और अन्य सामान भी बरामद किया है। इससे पहले पुलिस ने बुधवार को ड्रोन की मदद से नूंह में अरावली की पहाड़ियों से नौ हिंसा आरोपियों को हिरासत में लिया था। ये सभी नल्हड़ और मेवली गांवों के रहने वाले हैं तथा संदिग्ध तौर पर हिंसा में शामिल थे। वहीं गत मंगलवार को हिरासत में लिये गये आठ आरोपियों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। उल्लेखनीय है कि नूंह हिसा में शामिल लोग पुलिस कार्रवाई के डर से अब आसपास की पहाड़ियों पर जाकर छिप गये हैं। पुलिस को इन पर पहुंचने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस काम में पुलिस ड्रोन की भी मदद ले रही है।

उल्लेखनीय है कि नूंह हिंसा में होम गार्ड के दो जवानों और बजरंग दल के दो कार्यकर्ताओं समेत छह लोगों की मौत हो गई थी।

'मोदी ने हमें कुछ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शादी-विवाह की व्यवस्था राहुल की मदद के कारण संभव हो सकी। वीडियो क्लिप में वे कहती हैं, "मोदी ऐसा क्यों कह रहे है कि उन्होंने मेरी मदद की? सब बकवास एवं झूठ हैं। कैसी सहायता? अगर उन्होंने मेरी मदद की होती तो मैं उनकी तारीफ जरूर करती। राहुल गांधी ने हमारी शुरु से ही मदद की तथा इसलिये मैं उनकी प्रशंसा करती हूँ।"

उन्होंने कहा, "मुझे 2008 में एक मकान मिला था, 2013-14 में, मैंने इसमें दो कमरे और एक बाथरूम में बनवाया। मोदी ने हमें कुछ भी नहीं दिया। हमें सब कुछ कांग्रेस की मदद से मिला।"

भाजपा को अब कोई नई कलावती ढूँढ़नी पड़ेगी ताकि वह दर्शा सके कि अमित शाह इस महिला के बारे में बात कर रहे थे, उस महिला के बारे में नहीं, जो प्रधानमंत्री की तरफ से किसी भी प्रकार की मदद के दावे का खण्डन कर रही है। यवतमाल की ये कलावती बंदूरकर कहती है कि उनकी गरीबी दूर करने के लिये वे राहुल गांधी की आभारी हैं। उनका परिवार एक झोंपडी में रहा करता था, किन्तु अब उनके पास पक्का मकान हैं जिसमें बिजली-पानी की सुविधा है। उनके पति ने, कर्ज न चुका पाने के कारण, 2005 में आत्महत्या कर ली थी। राहुल उनसे मिले तथा उन्हें ढ़ाढ़स बँधाया और फिर उन्होंने उननहें मदद दी। अब वे कयास के खेलों में कृषि मजदूर का काम करती हैं।

'भारत में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयाम हैं और इससे भारत सरकार की संप्रभुता प्रभावित नहीं होती। पांच सदस्यीय संविधान पीठ की अध्यक्षता करते हुए सी.जे.आई. ने कहा, "एक बात स्पष्ट है कि, भारत में विलय का मतलब यही था कि, जम्मू-कश्मीर ने अपनी संप्रभुता भारत को समर्पित कर दी।"

न्यायाधीशों की पांच सदस्यीय पीठ के सदस्य जस्टिस किशन कौल ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "यह कहना गलत होगा कि अनुच्छेद 370 को कभी खत्म नहीं किया जा सकता था। हमें सिर्फ यह देखना है कि सरकार ने इसे हटाने के लिए जो प्रक्रिया अपनाई वह सही थी या नहीं।"

दो घंटे 13 मिनट के भाषण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बल्कि विपक्ष का फ्लोर टैस्ट है, एक साल बाद जब चुनाव हुए तो विपक्ष पहले जितने वोट नहीं ला सका। जनता ने विपक्ष में अविश्वास जता दिया। हम 2028 में फिर अविश्वास प्रस्ताव का सामना करेंगे।"

विपक्ष पर प्रहार करते हुए मोदी ने कहा कि विपक्ष ने मातहत जनता को इतना धोखा दिया है कि आज सूचना को दूसरा तेल माना जाता है। उनके लिए राजनीति प्राथमिकता है। गरीब, पिछड़ों और दलितों के लिए कई विधेयक लंबित हैं लेकिन विपक्ष को इनमें कोई रुचि नहीं है।

विपक्ष पर तंज कसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन लोगों ने क्या चर्चा की हैं। विपक्ष ने फील्डिंग तैयार की जबकि सरकार ने चौके-छक्के लगाए। उन्होंने कहा, "अविश्वास और अहंकार आपको परिभाषित करता है। विपक्ष जितना ज्यादा मुझ पर हमला करता है उतना ही मैं सफल होता हूँ।"

मोदी ने कहा, "विपक्ष एच.ए.एल. के बारे में नकारात्मक बाते करता है। वे कहते थे कि एच.ए.एल. समाप्त हो गया और देश का रक्षा क्षेत्र बर्बाद हो गया। जैसे फार्म पर वीडियो शूट होते है। वैसे ही एक वीडियो एच.ए.एल. के दरवाजे पर शूट किया गया। विपक्ष ने एच.ए.एल. के कर्मचारियों को ब्रेनवास करने का प्रयास किया, लेकिन आज एच.ए.एल. ने अब तक का सर्वाधिक राजस्व एकत्रित किया है।"

अपनी सरकार की उपलब्धियों का बखान करते हुए मोदी ने कहा, "विपक्ष ने कहा था कि बैंकिंग क्षेत्र डूब जाएगा। उन्होंने विदेशी विशेषज्ञों से यह कहलवाया। उन्होंने बैंकों के बारे में झूठ फैलाया लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का मुनाफा दुगुना हुआ। उन्होंने एल.आई.सी. के बारे में झूठ बोला।"

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर चुटकी लेते हुए मोदी ने पूछा, "लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को क्यों दरकिनार कर दिया गया? क्या कोलकाता से फोन आया था? वे तो अविश्वास प्रस्ताव के लिए वक्ता भी नहीं हैं।"

मोदी ने कहा, "पाकिस्तान हमारी सीमाओं पर हमला करता था और हमारे देश में आतंकवादी भेजता था। वह अपनी भूमिका से इंकार करता और कांग्रेस हुर्रियत एवं अन्य अलगाववादियों पर विश्वास करती थी। हमने सर्जिकल स्ट्राइक की। आज कोई भारत के लिए गलत बोलता है तो वे विश्वास कर लेते हैं।"

मोदी ने इंडिया गठबंधन पर प्रहार करने में काफी समय खर्च किया और उसकी तुलना पुराने भवन पर किए गए नए प्लास्टर से की। उन्होंने कहा कि इंडिया केवल एक खराब मशीन पर नए पेंट की तरह है।

हमारे संविधान निर्माताओं ने वंशानुगत राजनीति की आलोचना की थी क्योंकि यह आम आदमी के अधिकारों के खिलाफ है मे। देश को याद दिलाना चाहता हूँ कि यह लड़ाई "नामदार" (विपक्ष) और "कामदार" (एन.डी.ए.) के बीच है।

मोदी ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह सदन में मणिपुर पर विस्तार से बोले थे। मणिपुर में कोर्ट हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार उन लोगों को सजा देने का पूरा प्रयास कर रही हैं जिन्होंने अपराध किए, विशेषकर महिलाओं के खिलाफ।

उन्होंने कहा कि हम मणिपुर को विकास के मार्ग पर लाने का प्रयास कर रहे हैं और सरकार तथा सदन मणिपुर के लोगों के साथ है। उन्होंने उत्तर-पूर्व की समस्या के लिए कांग्रेस जिम्मेवार ठहराया। मोदी ने मणिपुर के वर्तमान हालात पर विस्तार से बोलने की जगह गड़े मुर्दे उखाड़े।

वक्ताओं की लिस्ट में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रवक्ताओं ने किसी भी मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस के साथ संबंध रखने के किसी भी विचार को खारिज किया है। उन्होंने तो यहाँ तक सलाह दी है कि अगर पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व कोई अन्यथा या भिन्न निर्णय लेता है तथा तृणमूल के साथ जाता है तो स्थानीय स्तर पर पार्टी को समझौत करना पड़ेगा।

यह स्पष्ट है कि बंगाल के विपक्षी दल, तृणमूल कांग्रेस के साथ संभावित सहयोग के राष्ट्रीय स्तर के किसी निर्णय के विरूद्ध काम करेंगे। इस प्रकार, स्थानीय स्तर पर वे टी.एम.सी. के साथ सहयोग के मामले में, पार्टी की नीति के अनुरुप काम नहीं करेंगे। ऐसा होने से विपक्षी गठबंधन इंडिया में बने सहमति के बिन्दुओं एवं नीतियों में बिगाड़ पैदा होने की संभावना रहेगा।

वस्तुत: तृणमूल कांग्रेस अपनी इस मान्यता पर अटल है कि स्थानीय क्षेत्रों के मजबूत क्षेत्रीय दल "इंडिया" का मुख्य चेहरा रहेंगे। इस प्रकार, चेनावी समायोजनक या सीटां का बँटवारा में अड़चनें आ सकती हैं। अगर कोई रास्ता निकलता भी है तो वह अनिवार्यत: अन्य विपक्षी देलों की कीमत पर ही निकलेगा, तृणमूल कांग्रेस की ओर से किसी समायोजन की दिशा में सहयोग नहीं मिलेगा।

विपक्षी राजनैतिक दलों के प्रति तृणमूल काग्रेस के रुख एवं व्यवहार ने राज्य में कार्यरत संगठनों के बीच के "आदान-प्रदान" संबंधी सभी जुड़ाव तक आहत कर दिये हैं। टी.एम.सी. हाल ही में पंचायत चुनावों में जीते उम्मीदवारों से संबंधित पार्टियों के कार्यकर्ताओं को अलग-थलग करने से लेकर उनकी हत्या तक कुछ भी कर सकती है।

राज्य में सत्तारूढ़ टी.एम.सी. ने पंचायत चुनावों में जीत कांग्रेस के बहुत से उम्मीदवारों का अपहरण तक करने में कोई संकोच नहीं किया है। एक प्रकरण तो ऐसा भी बताया जाता है कि विपक्षी दल के विजयी उम्मीदवार के बेटे तक का अपहरण कर लिया गया तथा इसके परिणामस्वरूप विजयी उम्मीदवार को पार्टी बदलनी पड़ी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908